भाषाओं से ही राष्ट्र को सम्मान मिलेगा: सिन्हा

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का आगाज

संवाद न्यूज एजेंसी

कटड़ा/जम्मू। जब तक हम अपनी भाषाओं का सम्मान नहीं करेंगे तब तक हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्र का सम्मान नहीं कर पाएंगे। यह बात श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) के कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर आरके. सिन्हा ने डोगरी साहित्य पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कही।

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मेलन में जुटे गणमान्य लोग। संवाद

उन्होंने मातृभाषा में संचार की आवश्यकता पर जोर दिया। धर्मनगरी से 10 किलोमीटर दूर ककड़याल में श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सहयोग से डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन शुरू हुआ। इसमें 20वीं और 21वीं सदी के डोगरी उपन्यास का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया गया। साहित्य अकादमी के उप सचिव एन. सुरेश बाबू ने शैक्षणिक गतिविधियों से परे भाषाओं को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डोगरी जम्मू क्षेत्र की समृद्ध और जीवंत संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। अकादमी अच्छी गुणवत्ता वाले साहित्य के लेखन, प्रकाशन और प्रचार को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

डोगरी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता मोहन सिंह ने डोगरी लेखकों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि लोगों को जोड़ने के लिए भाषाएं आवश्यक हैं। एसएमवीडीयू के रजिस्ट्रार नागेंद्र सिंह जम्वाल ने डोगरी भाषा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर की सीमाओं से परे डोगरी के पोषण, प्रचार और परिचय में प्रतिष्ठित डोगरी लेखकों के निस्वार्थ योगदान की प्रशंसा की। पद्मश्री से सम्मानित नरसिंह देव जम्वाल, देश बंधु डोगरा नूतन और ओम गोस्वामी सहित डोगरी के अन्य प्रसिद्ध लेखकों और कवियों ने सम्मेलन के पहले सत्र के दौरान अपने उपन्यासों के बारे में बात की। पहले दिन के दूसरे सत्र में राजिंदर रांझा, सुनीता भड़वाल व जगदीप दुबे ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध डोगरी लेखक प्रकाश प्रेमी ने की। एसएमवीडीयू के स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज के डीन वी. के. भट्ट ने सम्मेलन के पहले दिन के समापन पर धन्यवाद प्रस्तुत किया। स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस एंड लिटरेचर की विभागाध्यक्ष ईशा मल्होत्रा, डॉ. राकेश थुस्सू और डॉ. कामिनी पठानिया, बोर्ड ऑफ कल्चरल एक्टिविटीज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन

एसएमवीडीयू और साहित्य अकादमी की संयुक्त पहल

जम्मू। स्टेट समाचार

श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा द्वारा साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को यहां विश्वविद्यालय के मातृका सभागार में किया गया। '20वीं और 21वीं सदी के डोगरी उपन्यास की सूक्ष्म समीक्षा और मूल्यांकन' शीर्षक वाले इस सम्मेलन का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। प्रोफेसर आर के सिन्हा, पद्म श्री, वाइस चांसलर, एसएमवीडीयू ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने मातृभाषा में संचार की आवश्यकता पर बल दिया। वीसी, एसएमवीडीयू ने कहा कि जब तक हम अपनी भाषाओं का सम्मान नहीं करेंगे तब तक हम अपनी संस्कृति और सभ्यता और राष्ट्र का सम्मान नहीं कर पाएंगे। इसी बीच एन. सुरेश बाबू, उप सचिव, साहित्य अकादमी, ने शैक्षणिक गतिविधियों से परे भाषाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डोगरी जम्मू क्षेत्र की समृद्ध और जीवंत संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है और अकादमी अच्छी गुणवत्ता वाले साहित्य के लेखन, प्रकाशन और प्रचार को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रयास कर रही है। दर्शन दर्शी, संयोजक, डोगरी सलाहकार बोर्ड, साहित्य अकादमी, ने सम्मेलन के दौरान परिचयात्मक टिप्पणी की। डोगरी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता मोहन सिंह ने अपने मुख्य भाषण के दौरान डोगरी लेखकों के योगदान को भावपूर्ण ढंग से याद किया। उन्होंने कहा कि लोगों को एक साथ जोड़ने के लिए भाषाएं आवश्यक हैं। एसएमवीडीयू के रजिस्ट्रार नागेंद्र सिंह जम्वाल ने डोगरी भाषा को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर की सीमाओं से परे डोगरी के पोषण, प्रचार और परिचय में प्रतिष्ठित डोगरी लेखकों के निस्वार्थ योगदान की प्रशंसा की। नरसिंह देव जम्वाल, पद्म श्री अवार्डी, और देश बंधु डोगरा नूतन और ओम गोस्वामी सहित अन्य प्रतिष्ठित डोगरी लेखकों और कवियों ने सम्मेलन के पहले सत्र के दौरान अपने उपन्यासों के बारे में बात की। पहले दिन के दूसरे सत्र में राजिंदर रांझा, सुनीता भड़वाल व जगदीप दुबे ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध डोगरी लेखक प्रकाश प्रेमी ने की। वीके भट्ट, डीन, मानविकी स्कूल, एसएमवीडीयू ने सम्मेलन के पहले दिन के समापन पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। ईशा मल्होत्रा एचओडी स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस एंड लिटरेचर, डॉ. राकेश थुस्सू और डॉ. कामिनी पठानिया, बोर्ड ऑफ कल्चरल एक्टिविटीज ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

प्रोफैसर आर.के. सिन्हा पद्मश्री उपकुलपति, एस.एम.वी.डी.यू. ने सम्मेलन का उद्घाटन किया

एस.एम.वी.डी.यू. और साहित्य अकादमी द्वारा डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

सवेरा न्यूज/अरुण शर्मा

कटड़ा,18 नवंबर : श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटड़ा द्वारा साहित्य अकादमी नई दिल्ली के सहयोग से डोगरी साहित्य पर दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन शुक्र वार को विश्वविद्यालय के मातृका सभागार में किया गया। 20वीं और 21वीं सदी के डोगरी उपन्यास का आलोचनात्मक मूल्यांकन' शीर्षक से सम्मेलन का आयोजन आजादी का अमृत महोत्सव और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। प्रोफैसर आर.के. सिन्हा पद्मश्री उपकुलपति, एस.एम.वी.डी.यू. ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और अध्यक्षीय भाषण दिया, जिसमें उन्होंने मातृभाषा में संचार की आवश्यकता पर बल दिया। एसएमवीडीयू के वीसी ने कहा कि जब तक हम अपनी भाषाओं का सम्मान नहीं करेंगे तब तक हम अपनी संस्कृति और सभ्यता और राष्ट्र का सम्मान नहीं कर पाएंगे। वहीं एन. सुरेश बाबू, उप सचिव साहित्य अकादमी ने शैक्षणिक गतिविधियों से परे भाषाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डोगरी जम्मू क्षेत्र की समृद्ध और जीवंत संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है और अकादमी अच्छी गुणवत्ता वाले साहित्य के लेखन, प्रकाशन और प्रचार को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रयास कर रही है।

दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ करते मुख्यातिथि।

डोगरी के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता मोहन सिंह ने अपने मुख्य भाषण के दौरान डोगरी लेखकों के योगदान को भावपूर्ण ढंग से याद किया। उन्होंने कहा कि लोगों को एक साथ जोड़ने के लिए भाषाएं आवश्यक हैं।

एस.एम.वी.डी.यू. के रजिस्ट्रार नागेंद्र सिंह जम्वाल ने डोगरी भाषा को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर की सीमाओं से परे डोगरी के पोषण, प्रचार और परिचय में प्रतिष्ठित डोगरी लेखकों के निस्वार्थ योगदान की प्रशंसा की। नृसिंह देव जम्वाल, पद्मश्री अवार्डी और देश बंधु डोगरा नूतन और ओम गोस्वामी सहित अन्य प्रतिष्ठित डोगरी लेखकों और कवियों ने सम्मेलन के पहले सत्र के दौरान अपने उपन्यासों के बारे में बात की। पहले दिन के दूसरे सत्र में राजेंद्र रांझा, सुनीता भदवाल व जगदीप दूबे ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध डोगरी लेखक प्रकाश प्रेमी ने की। वीके भट्ट, डीन मानविकी स्कूल, एसएमवीडीयू ने सम्मेलन के पहले दिन के समापन पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। ईशा मल्होत्रा एचओडी स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस एंड लिटरेचर, डा. राकेश थुस्सू और डा. कामिनी पठानिया, बोर्ड ऑफ कल्चरल एक्टिविटीज ने इस कार्यक्र म का समन्वयन किया।

ساہتیہ اکادمی کے زیر اہتمام ماتا ویشنو دیوی یونیورسٹی کٹرہ میں ڈوگری ادبی کانفرنس

مادری زبان میں بات چیت کرنا انتہائی ضروری: پروفیسر آر کے سنہا

وزیر احمد خان

ریاسی// ریاسی ضلع کے شری ماتا ویشنو دیوی یونیورسٹی کٹرہ کی طرف سے ساہتیہ اکادمی نئی دہلی کے تعاون سے ڈوگری ادب پر دو روزہ کانفرنس شکروار کو یونیورسٹی کے ماتریکا آڈیٹوریم میں افتتاح ہوا۔ جبکہ 20 ویں اور 21 ویں صدی کے ڈوگری ناول کا تنقیدی جائزہ اور تشخیص کے عنوان سے یہ کانفرنس آزادی کا امرت مہوتسو کے زیر اہتمام اور ثقافت کی وزارت GOI کی رہنمائی میں منعقد کی جا

رہی ہے۔ پروفیسر آر کے سنہا پدم شری وائس چانسلر، ایس ایم وی ڈی یو نے کانفرنس کا افتتاح کیا اور صدارتی خطاب بھی کیا جس میں انہوں نے مادری زبان میں بات چیت کرنے کی ضرورت پر زور دیا۔ اس موقعہ پر وی سی ایس ایم وی ڈی یو نے کہا کہ جب تک ہم اپنی زبانوں کا احترام نہیں کریں گے ہم اپنی ثقافت اور تہذیب اور قوم کا احترام نہیں کر سکیں گے۔ ساہتیہ اکادمی کے ڈپٹی سکریٹری این سریش بابو نے زبانوں کو تعلیمی سرگرمیوں سے آگے بڑھنے کی ضرورت پر زور دیا۔ انہوں نے کہا کہ ڈوگری جموں خطے کی بھرپور اور متحرک ثقافت کی نمائندگی کرتی ہے اور اکادمی اچھے معیار کے ادب کی تحریر اشاعت اور فروغ کے لئے تمام تر کوششیں کر رہی ہے۔ ساہتیہ اکادمی کے ڈوگری ایڈوائزری بورڈ کے کنوینر درشن درشی نے کانفرنس کے دوران تعارفی کلمات بھی بولے۔ جبکہ ڈوگری کے لئے ساہتیہ اکیڈمی ایوارڈ یافتہ موہن سنگھ نے اپنے کلیدی خطاب کے دوران ڈوگری مصنفین کے تعاون کو جذباتی طور پر یاد کیا۔ انہوں نے کہا کہ زبانیں لوگوں کو باہم جوڑنے کے لئے ضروری ہیں۔ ناگیندرا سنگھ جموال رجسٹرار ایس ایم وی ڈی یو نے ڈوگری زبان کے تحفظ اور فروغ کے لئے اجتماعی کوششیں کرنے کی ضرورت پر زور دیا۔ انہوں نے ڈوگری کو جموں و کشمیر کی حدود سے باہر پرورش فروغ دینے اور متعارف کرانے میں نامور ڈوگری مصنفین کی بے لوث شراکت کی تعریف کی۔ کانفرنس کے پہلے سیشن کے

دوران نرسنگ دیو جموال //___509

2-day conference on Dogri Literature by SMVDU & Sahitya Akademi inaugurated

KT NEWS SERVICE

REASI, Nov 18: A two day conference on Dogri Literature organised by Shri Mata Vaishno Devi University, Katra in collaboration with Sahitya Akademi, New Delhi, was inaugurated on Friday at the Matrika Auditorium of the University.

Titled 'Critical Appraisal and Evaluation of Dogri Novel of 20th and 21st Century', the conference is being organised under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav, and guidance of Ministry of Culture, GOI.

Prof R K Sinha, Padma Shri, Vice Chancellor, SMVDU inaugurated the conference and delivered the presidential address, wherein he stressed the need for communicating in mother tongue.

"Unless and until we don't respect our languages we won't be able to respect our culture and civilization and nation" VC, SMVDU said.

N. Suresh Babu, Deputy Secretary, Sahitya Akademi, emphasized the need for promoting the languages beyond academic pursuits.

"Dogri represents the rich and vibrant culture of Jammu region and Akademi is making all efforts to encourage writing, publication and promotion of good quality literature," he said.

Darshan Darshi, Convener, Dogri Advisory Board, Sahitya Akademi, gave the introductory remarks during the conference.

Mohan Singh, Sahitya Academy Award winner for Dogri, passionately recalled the contribution of the Dogri writers during his keynote address. He said the languages are essential to bind the people together.

Nagendra Singh Jamwal, Registrar SMVDU, stressed on the need for making collective efforts to preserve and promote the Dogri language. He extolled the selfless contributions of eminent Dogri writers in nurturing, promoting and introducing Dogri beyond the boundaries of Jammu and Kashmir.

Narsingh Dev Jamwal, Padma Shri Awardee, and other eminent Dogri Writers and Poets, including Desh Bandhu Dogra Nutan and Om Goswami spoke about their novels during the first session of the conference.

In the second session of the first day, papers were presented by Rajinder Ranjha, Sunita Bhadwal and Jagdeep Dubey.

It was chaired by famous Dogri writer Prakash Premi.

V.K Bhatt, Dean, School of Humanities, SMVDU presented the Vote of Thanks at the conclusion of the first day of the conference. Isha Malhotra HoD School of Languages and Literature, Dr Rakesh Thussu and Dr Kamini Pathania from Board of Cultural Activities coordinated the event.

2-day conference on Dogri Literature by SMVDU & Sahitya Akademi inaugurated

SREE TIMES NEWS
HONEY SADHOTRA
KATRA, NOV 18

A two day conference on Dogri Literature by Shri Mata Vaishno Devi University, Katra in collaboration with Sahitya Akademi, New Delhi, was inaugurated on Friday at the Matrika Auditorium of the University.

Titled 'Critical Appraisal and Evaluation of Dogri Novel of 20th and 21st Century', the conference is being organised under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav, and guidance of Ministry of Culture, GOI.

Prof R K Sinha, Padma Shri, Vice Chancellor, SMVDU inaugurated the conference and delivered the presidential address, wherein he stressed the need for communicating in mother tongue.

"Unless and until we don't respect our languages we won't be able to respect our culture and civilisation and nation" VC, SMVDU said.

N. Suresh Babu, Deputy Secretary, Sahitya Akademi, emphasized the need for promoting the languages beyond academic pursuits.

"Dogri represents the rich and vibrant culture of Jammu region and Akademi is making all efforts to encourage writing, publication and promotion of good quality literature," he said.

Darshan Darshi, Convener, Dogri Advisory Board, Sahitya Akademi, gave the introductory remarks during the conference.

Mohan Singh, Sahitya Academy Award winner for Dogri, passionately recalled the contribution of the Dogri writers during his keynote address. He said the languages are essential to bind the people together.

Nagendra Singh jamwal, Registrar SMVDU, stressed on the need for making collective efforts to preserve and promote the Dogri language. He extolled the selfless contributions of eminent Dogri writers in nurturing, promoting and introducing Dogri beyond the boundaries of Jammu and Kashmir.

Narsingh Dev Jamwal, Padma Shri Awardee, and other eminent Dogri Writers and Poets, including Desh Bandhu Dogra Nutan and Om Goswami spoke about their novels during the first session of the conference.

In the second session of the first day, papers were presented by Rajinder Ranjha, Sunita Bhadwal and Jagdeep Dubey.

It was chaired by famous Dogri writer Prakash Premi.

V.K Bhatt, Dean, School of Humanities, SMVDU presented the Vote of Thanks at the conclusion of the first day of the conference. Isha Malhotra HoD School of Languages and Literature, Dr Rakesh Thussu and Dr Kamini Pathania from Board of Cultural Activities coordinated the event.

2-day conference on Dogri Literature by SMVDU & Sahitya Akademi inaugurated

NW CORRESPONDENT
KATRA, NOV 18

A two day conference on Dogri Literature by Shri Mata Vaishno Devi University, Katra in collaboration with Sahitya Akademi, New Delhi, was inaugurated on Friday at the Matrika Auditorium of the University.

Titled 'Critical Appraisal and Evaluation of Dogri Novel of 20th and 21st Century', the conference is being organised under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav, and guidance of Ministry of Culture, GOI.

Prof R K Sinha, Padma Shri, Vice Chancellor, SMVDU inaugurated the conference and delivered the presidential address, wherein he stressed the need for communicating in mother tongue.

"Unless and until we don't respect our languages we won't be able to respect our culture and civilization and nation" VC, SMVDU said.

N. Suresh Babu, Deputy Secretary, Sahitya Akademi, emphasized the need for promoting the languages beyond academic pursuits.

"Dogri represents the rich and vibrant culture of Jammu region and Akademi is making all efforts to encourage writing, publication and promotion of good quality literature," he said.

Darshan Darshi, Convener, Dogri Advisory Board, Sahitya Akademi, gave the introductory remarks during the conference.

Mohan Singh, Sahitya Academy Award winner for Dogri, passionately recalled the contribution of the Dogri writers during his keynote address. He said the languages are essential to bind the people together.

Nagendra Singh Jamwal, Registrar SMVDU, stressed on the need for making collective efforts to preserve and promote the Dogri language. He extolled the selfless contributions of eminent Dogri writers in nurturing, promoting and introducing Dogri beyond the boundaries of Jammu and Kashmir.

Narsingh Dev Jamwal, Padma Shri Awardee, and other eminent Dogri Writers and Poets, including Desh Bandhu Dogra Nutan and Om Goswami spoke about their novels during the first session of the conference.

In the second session of the first day, papers were presented by Rajinder Ranjha, Sunita Bhadwal and Jagdeep Dubey.

It was chaired by famous Dogri writer Prakash Premi.

V.K Bhatt, Dean, School of Humanities, SMVDU presented the Vote of Thanks at the conclusion of the first day of the conference. Isha Malhotra HoD School of Languages and Literature, Dr Rakesh Thussu and Dr Kamini Pathania from Board of Cultural Activities coordinated the event.

2-day conference on Dogri Literature by SMVDU & Sahitya Akademi inaugurated

Top News Report

KATRA, Nov 18: A two-day conference on Dogri Literature by Shri Mata Vaishno Devi University, Katra in collaboration with Sahitya Akademi, New Delhi, was inaugurated on Friday at the Matrika Auditorium of the University.

Titled 'Critical Appraisal and Evaluation of Dogri Novel of 20th and 21st Century', the conference is being organised under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav, and guidance of Ministry of Culture, GOI.

Prof R K Sinha, Padma Shri, Vice Chancellor, SMVDU inaugurated the conference and delivered the presidential address, wherein he stressed the need for communicating in mother tongue.

"Unless and until we don't respect our languages we won't be able to respect our culture and civilization and nation" VC, SMVDU said.

N. Suresh Babu, Deputy Secretary, Sahitya Akademi, emphasized the need for promoting the languages beyond academic pursuits.

"Dogri represents the rich and vibrant culture of Jammu region and Akademi is making all efforts to encourage writing, publication and promotion of good quality literature," he said.

Darshan Darshi, Convener, Dogri Advisory Board, Sahitya Akademi, gave the introductory remarks during the conference.

Mohan Singh, Sahitya Academy Award winner for Dogri, passionately recalled the contribution of the Dogri writers during his keynote address. He said the languages are essential to bind the people together.

Nagendra Singh Jamwal, Registrar SMVDU, stressed on the need for making collective efforts to preserve and promote the Dogri language. He extolled the selfless contributions of eminent Dogri writers in nurturing, promoting and introducing Dogri beyond the boundaries of Jammu and Kashmir.

Narsingh Dev Jamwal, Padma Shri Awardee, and other eminent Dogri Writers and Poets, including Desh Bandhu Dogra Nutan and Om Goswami spoke about their novels during the first session of the conference.

In the second session of the first day, papers were presented by Rajinder Ranjha, Sunita Bhadwal and Jagdeep Dubey.

It was chaired by famous Dogri writer Prakash Premi.

V.K Bhatt, Dean, School of Humanities, SMVDU presented the Vote of Thanks at the conclusion of the first day of the conference. Isha Malhotra HoD School of Languages and Literature, Dr Rakesh Thussu and Dr Kamini Pathania from Board of Cultural Activities coordinated the event.

SMVDU VC and others lighting ceremonial lamp during inaugural of conference on 'Dogri Literature'.

2-day conference on Dogri Literature begins at SMVDU

Excelsior Correspondent

KATRA, Nov 18: A two- day conference on Dogri Literature by Shri Mata Vaishno Devi University, Katra, in collaboration with Sahitya Akademi, New Delhi, began today at the University auditorium.

*** Watch video on www.excelsiornews.com**

Titled 'Critical Appraisal and Evaluation of Dogri Novel of 20th and 21st Century', the conference is being organised under the aegis of Azadi Ka Amrit Mahotsav, and guidance of Ministry of Culture, GoI.

Vice-Chancellor of SMVDU, Prof R K Sinha inaugurated the conference and delivered the presidential address, wherein he stressed the need for communicating in mother tongue.

"Unless and until we don't respect our languages we won't be able to respect our culture and civilization and nation," he said.

N Suresh Babu, Deputy Secretary, Sahitya Akademi, emphasized the need for promoting the languages beyond academic pursuits. "Dogri represents the rich and vibrant culture of Jammu region and Akademi is making all efforts to encourage writing, publication and promotion of good quality literature." he said.

Darshan Darshi, Convener, Dogri Advisory Board, Sahitya Akademi, gave introductory remarks during the conference.

Mohan Singh, Sahitya Academy Award winner for Dogri, passionately recalled the contribution of the Dogri writers during his keynote address. He said the languages are essential to bind the people together.

Nagendra Singh Jamwal, Registrar SMVDU, stressed on the need for making collective efforts to preserve and promote the Dogri language. He extolled the selfless contributions of eminent Dogri writers in nurturing, promoting and introducing Dogri beyond the boundaries of Jammu and Kashmir.

Narsingh Dev Jamwal and other eminent Dogri writers and poets, including Desh Bandhu Dogra Nutan and Om Goswami spoke about their novels during the first session of the conference.

In the second session of the first day, papers were presented by Rajinder Ranjha, Sunita Bhadwal and Jagdeep Dubey. It was chaired by famous Dogri writer Prakash Premi.

V K Bhatt, Dean, School of Humanities, SMVDU presented vote of thanks at the conclusion of the first day of the conference. Isha Malhotra, HoD School of Languages and Literature, Dr Rakesh Thussu and Dr Kamini Pathania from Board of Cultural Activities coordinated the event.